प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 24 अगस्त, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज लोक भवन, राँची में नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 1 से 4 अगस्त, 2026 तक आयोजित 18वीं वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप-2026 में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व करने वाले पदक विजेता खिलाड़ियों ने भेंट की। राज्यपाल महोदय ने पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक प्राप्त करना खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों से आगे भी इसी समर्पण के साथ खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश एवं झारखण्ड का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

उक्त अवसर पर कोच श्री विश्वजीत कुमार के साथ प्रतिभागी लखन उराँव, आरित उराँव, अध्विक उराँव, ईशान भगत एवं कुमकुम विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज ठाकुरबाड़ी मंदिर, बड़ा अखाड़ा, हजारीबाग में आयोजित 'जनजातीय गौरव उत्सव' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की जनजातीय परंपरा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता की महत्वपूर्ण धरोहर है। जनजातीय समाज ने प्रकृति के साथ संतुलित जीवन, सामुदायिक सहयोग तथा अपनी परंपराओं और संस्कृति के संरक्षण की समृद्ध परंपरा विकसित की है। उन्होंने कहा कि जनजातीय कला, हस्तशिल्प, हथकरघा एवं स्थानीय उत्पादों को आधुनिक बाजार से जोड़कर इनके संरक्षण के साथ-साथ आजीविका के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज महिलाएँ उद्यमिता, व्यापार, हस्तशिल्प, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण सहित विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में अपनी पहचान बना रही हैं। महिला का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना केवल उसके आत्मविश्वास को बढ़ाता ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड सहित विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से महिला उद्यमियों एवं शिल्पकारों का इस उत्सव में शामिल होना अनुभव, कौशल एवं बाजार के

(2) **अवसरों के आदान-प्रदान की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बेहतर डिजाइन, गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जाए तो वे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पहचान बना सकते हैं।**

राज्यपाल महोदय ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी पहलों ने स्थानीय उत्पादों, कारीगरों, छोटे उद्यमियों तथा महिला शक्ति को आर्थिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए नई संभावनाएँ उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा तभी व्यापक और समावेशी होगी, जब गाँवों, जनजातीय क्षेत्रों, छोटे उद्यमियों और महिलाओं की प्रतिभा एवं क्षमता को पर्याप्त अवसर मिलेंगे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड में जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ कौशल एवं उद्यमिता की भी अपार संभावनाएँ हैं। पारंपरिक कलाओं एवं स्थानीय उत्पादों को प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक, वित्तीय सहायता और बाजार उपलब्ध कराकर इन्हें आजीविका का मजबूत माध्यम बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं को अपनी पारंपरिक विरासत से जोड़ते हुए कौशल, नवाचार और उद्यमिता के नए

अवसर उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पलायन को कम करने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने महिला उद्यमियों एवं शिल्पकारों से अपने कौशल पर विश्वास रखने, गुणवत्ता को अपनी पहचान बनाने तथा बदलते बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर नवाचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परंपरा हमारी शक्ति है और नवाचार हमारी आवश्यकता है।

राज्यपाल महोदय ने विश्वास व्यक्त किया कि 'जनजातीय गौरव उत्सव' जैसे आयोजन जनजातीय संस्कृति एवं पारंपरिक कलाओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के साथ-साथ महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।